aarohan 2023

Developing future leaders for PSBs and FIs

एफ़एसआईबी
FSIB

Directors Development Program

सर्वद्रव्येषु विद्यैव द्रव्यमाहुरनुत्तमम्

Financial Services Institutions Bureau

वार्षिक रिपोर्ट

2023-24

विषय सूची

विवरण	पृष्ठ
वित्तीय सेवा संस्था ब्यूरो का गठन	**3**
संक्षिप्त विवरण	**5**
स्थापना और प्रकार्य	**7**
नियुक्तियों हेतु संस्तुति	**9**
कौशल संवर्धन और सशक्तिकरण	**12**
• निदेशकों हेतु परिवर्धन कार्यक्रम	12
• लीडरशिप परिवर्धन कार्यक्रम	14
डाटाबेस, आईटी सिस्टम और प्रशासन	**16**
प्राप्तियों और भुगतानों का लेखा	**21**
स्वतंत्र लेखापरीक्षक की रिपोर्ट	**23**

संक्षेपाक्षर सूची

एआईसीआईएल	भारतीय कृषि बीमा कम्पनी लि.
सीईओ	मुख्य कार्यपालक अधिकारी
सीजीएम	मुख्य महाप्रबंधक
सीआईसी	केन्द्रीय सूचना आयोग
सीएमडी	अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक
डीडीपी	निदेशकों हेतु परिवर्धन कार्यक्रम
डीएफएस	वित्तीय सेवाएं विभाग
डीएमडी	उप प्रबंध निदेशक
ईडी	कार्यपालक निदेशक
एफआई	वित्तीय संस्थान
एफएसआईबी	वित्तीय सेवा संस्था ब्यूरो
जीएम	महाप्रबंधक
जीआईसी री	भारतीय साधारण बीमा निगम
आईबीए	भारतीय बैंक संघ
आईआईएफसीएल	इंडिया इन्फ्रास्ट्रक्चर फ़ाइनेंस कम्पनी लि.
आईएफसीआई	भारतीय औद्योगिक वित्त निगम
आईआईएम	भारतीय प्रबंधन संस्थान
इरडाई	भारतीय बीमा विनियमन और विकास प्राधिकरण
एलडीपी	लीडरशिप परिवर्धन कार्यक्रम
एलआईसी	भारतीय जीवन बीमा निगम
एमडी	प्रबंध निदेशक
एमडी और सीईओ	प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी
एमओएफ	वित्त मंत्रालय, भारत सरकार
नाबार्ड	राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक
नैबफिड	राष्ट्रीय अवसंरचना वित्त पोषण और विकास बैंक
एनईसी	गैर कार्यपालक अध्यक्ष
एनआईएसीएल	न्यू इंडिया एश्योरेन्स कम्पनी लि.
ओआईसीएल	ओरियन्टल इन्श्योरेन्स कम्पनी लि.
पीएसआईसी	सरकारी क्षेत्र की बीमा कम्पनी
पीएसबी	सरकारी क्षेत्र के बैंक
समेकन	प्रबंधन और कर्मचारी सेवा एवं ज्ञान विषयक डाटा संकलन और विश्लेषण प्रणाली
सिडबी	भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक
डब्ल्यूटीडी	पूर्णकालिक निदेशक

वित्तीय सेवा संस्था ब्यूरो का गठन

श्री भानु प्रताप शर्मा
अध्यक्ष

डॉ. विवेक जोशी
सचिव, वित्तीय सेवाएं विभाग
पदेन सदस्य
(पीएसबी/एफआई/पीएसआईसी)

श्री अली रजा रिज़वी
सचिव, लोक उद्यम विभाग
पदेन सदस्य
(पीएसबी/एफआई/पीएसआईसी)

श्री एम राजेश्वर राव
उप गवर्नर,
भारतीय रिज़र्व बैंक
पदेन सदस्य (पीएसबी/एफआई)

श्री देबाशीष पांडा
अध्यक्ष,
इरडाई
पदेन सदस्य (पीएसआईसी)

श्री अनिमेष चौहान
भूतपूर्व एमडी और सीईओ,
ओरिएन्टल बैंक ऑफ कॉमर्स
विशेषज्ञ सदस्य (पीएसबी/एफआई)

श्रीमती ऊषा सांगवान
भूतपूर्व प्रबंध निदेशक
भारतीय जीवन बीमा निगम
विशेषज्ञ सदस्य (पीएसआईसी)

श्री शैलेन्द्र भंडारी
भूतपूर्व एमडी और सीईओ,
आईएनजी वैश्य बैंक
विशेषज्ञ सदस्य (पीएसबी/एफआई)

श्री ए. वी. गिरिजा कुमार
भूतपूर्व सीएमडी,
ओरिएन्टल इन्श्योरेन्स कं .लि .
विशेषज्ञ सदस्य (पीएसआईसी)

श्री दीपक सिंघल
भूतपूर्व कार्यपालक निदेशक,
भारतीय रिज़र्व बैंक
विशेषज्ञ सदस्य (पीएसबी/एफआई)

श्री सुजय बनर्जी
भूतपूर्व पूर्णकालिक सदस्य,
इरडाई
विशेषज्ञ सदस्य (पीएसआईसी)

सचिवालय के प्रमुख अधिकारी

सचिव (महाप्रबंधक)
शिशिर कुमार मिश्र

सहायक महाप्रबंधक
प्रदीप कौर गरेवाल

प्रबंधक
प्रतीक जैन

प्रबंधक
नवनीत बलराज मेहरोल

सहायक प्रबंधक
देवांश रावत

सहायक प्रबंधक
आदित्य एम

उक्त सभी अधिकारी भारतीय रिज़र्व बैंक से हैं।

संक्षिप्त विवरण

वित्तीय सेवा संस्था ब्यूरो (यह ब्यूरो) भारत सरकार की राजपत्र अधिसूचना में निर्दिष्ट संस्थानों में पूर्णकालिक निदेशकों की नियुक्तियों, कार्यकाल के विस्तार और समापन हेतु संस्तुतियां करने के लिए समुचित पद्धतियों के विकास और कार्यान्वयन हेतु भारत सरकार का एक स्वायत्तशासी निकाय है। इस ब्यूरो को अधिदेश दिया गया है कि निर्दिष्ट संस्थानों में बोर्ड / वरिष्ठ प्रबंधनतंत्र के स्तर पर अपेक्षित संरचना, कार्यनिष्पादन मूल्यांकन प्रणालियों और प्रबंधकीय कार्मिकों हेतु आचरण और नैतिकता संहिता के निरूपण तथा प्रवर्तन के बारे में सरकार को परामर्श प्रदान करे।

नियुक्तियों के लिए संस्तुतियां

सन 2023-24 के दौरान पीएसबी, पीएसआईसी और एफआई में 41 पदों के लिए 190 अभ्यर्थियों में से संस्तुतियां करने हेतु 16 अवसरों पर ब्यूरो की बैठक हुई। ब्यूरो द्वारा विगत तीन वर्ष के दौरान की गई संस्तुतियां निम्नानुसार तालिका में दी गई हैं –

तालिका १ : क्षेत्रवार संस्तुतियां

संस्थान	*2023-24*	*2022-23*	*2021-22*
एफआई	**5**	6	2
पीएसबी	**21**	20	16
पीएसआईसी	**15**	19	9
कुल	**41**	45	27

इस वर्ष के दौरान की गई कुल 41 संस्तुतियों में 21 संस्तुतियां पीएसबी हेतु, 5 संस्तुतियां एफआई हेतु और 15 संस्तुतियां पीएसआईसी में विभिन्न पदों हेतु की गईं। पीएसआईसी के मामले में अन्य बातों के साथ- गैरजीवन पीएसआईसी में महाप्रबंधक और निदेशक के पदों के स्थान पर वर्ष के दौरान नवसृजित कार्यपालक निदेशक के पद हेतु संस्तुतियां की गईं।

वर्ष के दौरान नियुक्तियों के लिए संस्तुतियां करने के अलावा ब्यूरो द्वारा भारतीय स्टेट बैंक के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक; सरकारी क्षेत्र के बैंकों के प्रबंध निदेशकों और मुख्य कार्यपालक अधिकारियों, आईएफसीआई के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी; सिडबी के डीएमडी; आईआईएफसीएल के डीएमडी और सरकारी क्षेत्र के बैंकों के कार्यपालक निदेशकों के कार्यकाल में विस्तार हेतु भी संस्तुतियां की गईं।

ब्यूरो की बैठकें और साक्षात्कार प्रमुखतः सिसको वेबएक्स प्लेटफार्म के माध्यम से ऑनलाइन आयोजित किए गए। प्रबंध निदेशक, भारतीय स्टेट बैंक के पद हेतु साक्षात्कार के लिए और सरकारी क्षेत्र के बैंकों में पूर्णकालिक निदेशकों के कार्यकाल का विस्तार करने सहित अन्य कार्यसूचियों पर विचार-विमर्श के लिए नई दिल्ली में भौतिक बैठकों का आयोजन किया गया।

कौशल संवर्धन और सशक्तीकरण

इस ब्यूरो को दिए गए अधिदेशों में से एक यह भी है कि निर्दिष्ट संस्थानों में प्रबंधन कार्मिकों हेतु समुचित प्रशिक्षण और विकास कार्यक्रमों को तैयार किया

जाए। ब्यूरो ने बाहरी ज्ञान भागीदारों के सहयोग से दो कार्यक्रम तैयार किए हैं – यथा – निदेशकों हेतु परिवर्धन कार्यक्रम (डीडीपी) और लीडरशिप परिवर्धन कार्यक्रम (एलडीपी)।

डीडीपी के द्वितीय बैच (2023) में विभिन्न पीएसबी, एफआई और पीएसआईसी के 66 निदेशक शामिल हुए। यह कार्यक्रम हार्वर्ड बिजनेस पब्लिशिंग के साथ मिलकर मैसर्स इगॉन ज़ेहेन्डर ने आयोजित किया। डीडीपी में भाग लेने वाले निदेशकों में पूर्णकालिक निदेशक, स्वतंत्र निदेशक, शेयरधारक निदेशक और नामित निदेशक शामिल हुए। यह कार्यक्रम सितम्बर 2023 में सफलतापूर्वक पूरा हुआ जिसमें तीन दिन का सत्र व्यक्तिगत रूप से शामिल होने के लिए चलाया गया।

एलडीपी का लक्ष्य सरकारी क्षेत्र के बैंकों और वित्तीय संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारियों के कौशल और व्यक्तित्व का विकास करना है। एलडीपी के प्रथम तीन बैचों को सफलतापूर्वक समापन के बाद चतुर्थ बैच से कार्यक्रम हेतु मैसर्स मैकिन्से का चयन ज्ञान भागीदार के रूप में किया गया। एलडीपी का चतुर्थ बैच, जिसका नाम “आरोहण 2023” रखा गया, 12 अप्रैल 2023 को आरंभ हुआ और 5 दिसम्बर 2023 को समापन समारोह के साथ समाप्त हुआ। इसी वर्ष में एलडीपी के पांचवे बैच – “आरोहण 2024” की शुरुआत भी हुई, जिसमें 11 राष्ट्रीयकृत बैंकों और 5 वित्तीय संस्थानों के 80, मुख्य महाप्रबंधक, महाप्रबंधक और उप महाप्रबंधक शामिल हैं।

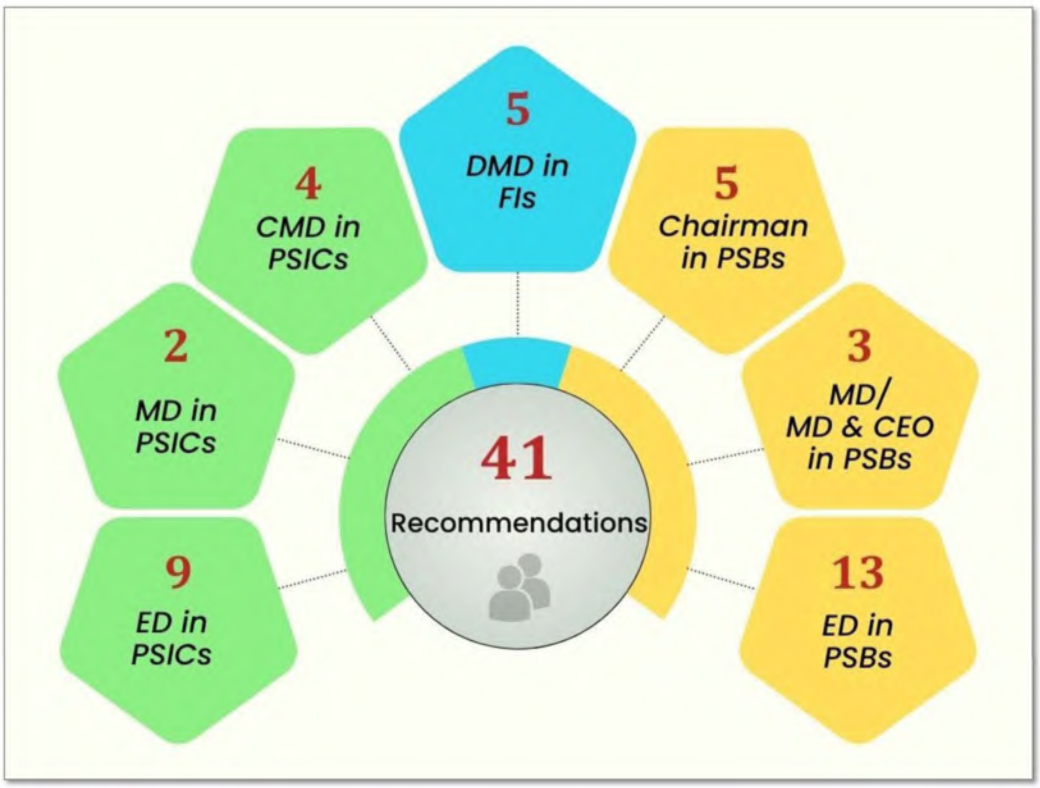

आकृति *1 :* सन 2023-24 में की गई संस्तुतियां

स्थापना और प्रकार्य

सार्वजनिक क्षेत्र की वित्तीय सेवा संस्थानों के बोर्डों में पूर्णकालिक निदेशकों और गैर-कार्यपालक अध्यक्षों की नियुक्ति के लिए व्यक्तियों की संस्तुति करने और इन संस्थानों में कार्मिक प्रबंधन से संबंधित कतिपय अन्य मामलों पर सलाह देने के प्रयोजन से वित्तीय सेवा संस्था ब्यूरो (एफएसआईबी) की स्थापना भारत सरकार की अधिसूचना एफ.सं./14/1/2022-बीओ-आई के अधीन दिनांक 01 जुलाई 2022 को की गई। एफएसआईबी के कार्यों और गठन, सदस्यों के नामांकन, प्रबंधन, निधियन और संस्तुतियां करने की पद्धति का निर्धारण सरकार के संकल्प में किया गया है।

बैंक बोर्ड ब्यूरो की सभी आस्तियों, हितों और देयताओं, लेखा बहियों, रजिस्टरों, अभिलेखों और अन्य प्रलेखों को संकल्प के अनुसार वित्तीय सेवा संस्था ब्यूरो को अंतरित कर दिया गया है। इसके अलावा बैंक बोर्ड ब्यूरो द्वारा अथवा इसके विरुद्ध किसी भी न्यायालय या किसी अन्य प्राधिकरण में लंबित किसी भी प्रकार के वाद हेतु, मुकदमे, डिक्री, अपील या अन्य कार्रवाई यथावत रहेंगे और इन्हें वित्तीय सेवा संस्था ब्यूरो द्वारा अथवा इस ब्यूरो के विरुद्ध प्रवर्तित किया जाएगा।

इस अधिदेश के अनुसरण में एफएसआईबी विभिन्न हितधारकों के साथ व्यवहार करता है, जिनमें सरकार, सरकारी क्षेत्र के बैंकों, बीमा कम्पनियों, वित्तीय संस्थानों, विनियमकों के साथ-साथ निजी क्षेत्र के ज्ञान साझेदारों का समावेश है। मार्च 2024 में इस ब्यूरो के सदस्यों ने वित्तीय क्षेत्र आकलन कार्यक्रम (एफएसएपी), जिसे अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक द्वारा संयुक्त रूप से संचालित किया जाता है, के पदाधिकारियों के साथ भी परिचर्चा की, जिसमे वित्तीय क्षेत्र में एफएसआईबी की भूमिका के बारे में और अधिदेशित वित्तीय संस्थाओं के बोर्डों में पूर्णकालिक निदेशकों और एनईसी के लिए संस्तुतियों करने में अपनाई जाने वाली चयन प्रक्रिया के बारे में उन्होंने अपने दृष्टिकोण साझा किए।

एफएसआईबी के कार्य

1. सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, वित्तीय संस्थानों और सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनियों के निदेशक मंडल में पूर्णकालिक निदेशकों (डब्ल्यूटीडी) और गैर-कार्यकारी अध्यक्ष (एनईसी) के रूप में नियुक्ति के लिए व्यक्तियों की सिफारिश करना
2. उक्त निदेशकों की नियुक्तियों, स्थानांतरण या कार्यकाल के विस्तार और सेवाओं की समाप्ति से संबंधित मामलों पर सरकार को परामर्श देना
3. पीएसबी, एफआई और पीएसआई के लिए बोर्ड स्तर पर वांछित प्रबंधन संरचना पर सरकार को परामर्श देना
4. पीएसबी, एफआई और पीएसआई में डब्ल्यूटीडी और एनईसी के लिए उपयुक्त कार्य-निष्पादन मूल्यांकन प्रणाली पर सरकार को परामर्श देना
5. पीएसबी, एफआई और पीएसआई के कार्य-निष्पादन से संबंधित आंकड़ों को सम्मिलित करते हुए डेटा बैंक का निर्माण करना
6. पीएसबी, एफआई और पीएसआई में पूर्णकालिक निदेशकों के लिए आचार संहिता और आधार-नीति तैयार करने और इसे लागू करने के संबंध में सरकार को परामर्श देना
7. पीएसबी, एफआई और पीएसआई में प्रबंधन कार्मिकों के लिए उपयुक्त प्रशिक्षण और विकास कार्यक्रम तैयार करने के संबंध में सरकार को परामर्श देना
8. व्यावसायिक रणनीतियों और पूंजी जुटाने की योजना आदि तैयार करने के मामले में पीएसबी, एफआई और पीएसआई की मदद करना
9. इस तरह की प्रक्रिया को पूरा करना और किसी अन्य बैंक, वित्तीय संस्थान या बीमाकर्ता के लिए सक्षम प्राधिकारी के विचार के लिए एक पैनल तैयार करना, जिसके लिए सरकार उस बैंक, वित्तीय संस्थान या बीमाकर्ता से संबंधित विनियामक के परामर्श के बाद एक संदर्भ दे

नियुक्तियों हेतु संस्तुति

वर्ष के दौरान इस ब्यूरो द्वारा विभिन्न निर्दिष्ट संस्थानों के लिए 41 पदों हेतु संस्तुतियां की गई। ब्यूरो द्वारा प्रत्येक रिक्ति के लिए साक्षात्कार किए गए अभ्यर्थियों का अनुपात 5.4 रहा, जो इन पदों के लिए अभ्यर्थियों के एक स्वस्थ समूह होने का संकेत है।

तालिका 2: वर्ष 2023-24 में संस्तुतियां

पद	एफआई	पीएसबी	पीएसआईसी	कुल
अध्यक्ष	-	5	0	5
सीएमडी	-	-	4	4
एमडी और सीईओ	-	2	-	2
एमडी	-	1	2	3
डीएमडी	5	-	-	5
ईडी	-	13	9	22

सरकारी क्षेत्र के बैंक

ब्यूरो ने सन 2023-24 के दौरान भारतीय स्टेट बैंक में प्रबंध निदेशक के पद के साथ ही सरकारी क्षेत्र के विभिन्न बैंकों में कार्यपालक निदेशकों के 13 पदों हेतु संस्तुतियां की। वर्ष के दौरान सरकारी क्षेत्र के बैंकों में गैर कार्यपालक अध्यक्ष के पांच पदों हेतु संस्तुतियां की गईं। इसके अलावा इस ब्यूरो द्वारा इंडिया पोस्ट पेमेन्ट बैंक (आईपीपीबी) में एमडी और सीईओ के पद के लिए भी संस्तुति की गई।

आईपीपीबी में एमडी और सीईओ के पद के लिए खुले विज्ञापन के माध्यम से पात्र अभ्यर्थियों से आवेदन मांगे गए, जबकि भारतीय स्टेट बैंक में एमडी और सरकारी क्षेत्र के बैंकों में ईडी के पदों के लिए केवल उन्हीं अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिया गया जो सरकारी क्षेत्र के बैंक के कार्यपालकों के समूह में थे और आवश्यक मानदंडों को पूरा कर रहे थे।

वित्तीय संस्थान

सरकारी क्षेत्र के वित्तीय संस्थानों में पूर्ण कालिक निदेशकों के विभिन्न पदों के लिए योग्य अभ्यर्थियों के नामों की संस्तुति का अधिदेश इस ब्यूरो को दिया गया है। वर्ष के दौरान इस ब्यूरो द्वारा नाबार्ड; सिडबी, आईएफसीआई और भारतीय निर्यात आयात बैंक में उप प्रबंध निदेशक के पद हेतु संस्तुतियां की गईं। इन पदों के लिए खुले विज्ञापनों के माध्यम से आवेदन आमंत्रित किए गए। साक्षात्कार से पहले पात्र अभ्यर्थियों की योग्यता का आकलन समेकित योग्यता आकलन फ्रेमवर्क के अनुसार किया गया।

सरकारी क्षेत्र की बीमा कम्पनियां

वर्ष के दौरान ब्यूरो ने सरकारी क्षेत्र की चार बीमा कम्पनियों यथा – एनआईसीएल, जीआईसी री, यूआईआईसीएल और एनआईएसीएल में अध्यक्ष और प्रबंध निदेशकों के चार पदों और भारतीय जीवन बीमा निगम में प्रबंध निदेशकों के 2 पदों के लिए संस्तुतियां की। ब्यूरो द्वारा 2 5 अभ्यर्थियों से साक्षात्कार करने के बाद बीमा कम्पनियों में कार्यपालकों के 9 पदों के लिए भी संस्तुतियां की गईं। सरकारी क्षेत्र की बीमा कंपनियों में सभी पदों को विद्यमान दिशानिर्देशों के अनुसार आंतरिक अभ्यर्थियों के माध्यम से भरा गया।

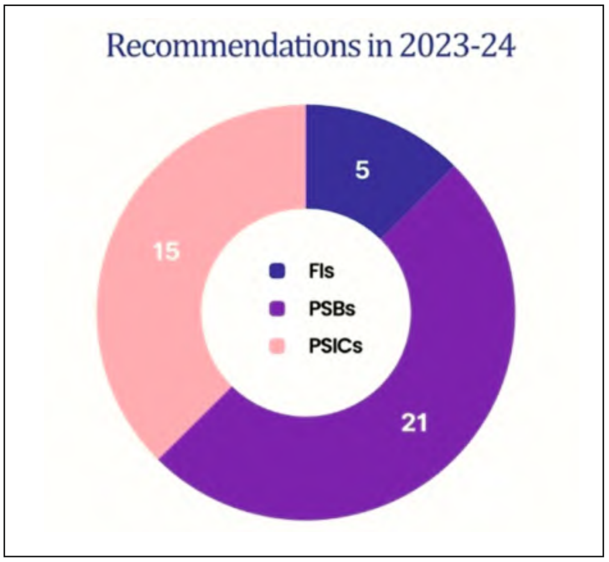

आकृति २: क्षेत्रवार संस्तुतियां

वर्ष के दौरान सभी संस्थानों के लिए संस्तुतियां करने में लिया गया औसत समय सन 2022-23 की तरह 73 दिन ही रहा।

संस्तुतियां करने में लगने वाला औसत समय (73 दिन) सरकारी क्षेत्र के बैंकों में पदों के लिए संस्तुतियां करने में लगने वाले समय (77 दिन); वित्तीय संस्थानों के लिए (114 दिन) और सरकारी क्षेत्र की बीमा कंपनियों के लिए (56 दिन) का भारित औसत है। क्योंकि वित्तीय संस्थानों में सभी रिक्तियों को खुले विज्ञापन के माध्यम से भरा गया इसलिए लगने वाला समय सरकारी क्षेत्र के बैंकों और सरकारी क्षेत्र की बीमा कंपनियों की तुलना में अधिक है।

खुले विज्ञापन के माध्यम से भरी जाने वाली रिक्तियों (वित्तीय संस्थानों तथा आईपीपीबी में एमडी और सीईओ) के मामले में लगने वाला औसत समय 116 दिन रहा, जबकि आंतरिक अभ्यर्थियों से भरी गई रिक्तियों में लगने वाला यह समय 64 दिन रहा।

सरकारी क्षेत्र की बीमा कंपनियों के मामले में वित्तीय सेवाएं विभाग द्वारा यथा प्रदत्त पात्र अभ्यर्थियों की सूची पात्रता मानदंड और वरिष्ठता पर आधारित थी। इसलिए, सरकारी क्षेत्र की बीमा कंपनियों में संस्तुतियां करने में लगने वाला औसत समय कम रहा। सरकारी क्षेत्र के बैंकों के मामले में एसीसी दिशानिदेशों के अनुसरण में कुछ पदों को सरकारी क्षेत्र के बैंक के कार्यपालकों के समूह में से भरा गया और कुछ पदों को खुले विज्ञापन से भरा गया।

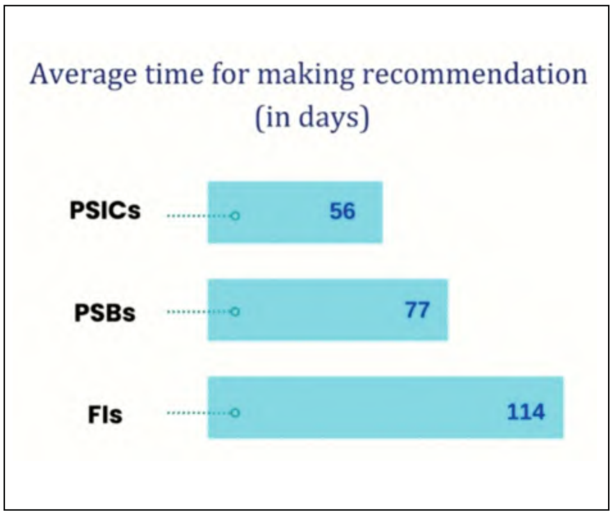

तालिका 3: वर्षवार संस्तुतियां

पद	अवधि	रिक्ति	पात्र अभ्यर्थी	संस्तुत अभ्यर्थी
राष्ट्रीयकृत बैंकों में एनईसी	2022-23	10	-	4
	2023-24	7	-	5
राष्ट्रीयकृत बैंकों में एमडी व सीईओ	2021-22	6	35	6
	2022-23	4	37	4
	2023-24	1	-	1*
राष्ट्रीयकृत बैंकों में ईडी	2021-22	9	42	9
	2022-23	12	57	12
	2023-24	13	72	13
एसबीआई में एमडी	2021-22	1	21	1
	2022-23	-	-	-
	2023-24	1	13	1
एफआई में अध्यक्ष / एमडी	2021-22	1	10	1
	2022-23	2	20	2
	2023-24	-	-	-
एफआई में डीएमडी	2021-22	1	3	1
	2022-23	4	30	4
	2023-24	5	45	5
पीएसआईसी में सीएमडी	2021-22	2	8	2
	2022-23	4	15	4
	2023-24	4	11	4
एलआईसी में अध्यक्ष	2021-22	-	-	-
	2022-23	1	4	1
	2023-24	-	-	-
एलआईसी में एमडी	2021-22	2	6	2
	2022-23	2	6	2
	2023-24	2	7	2
पीएसआईसी में जीएमडी / ईडी	2021-22	5	10	5
	2022-23	13	27	13
	2023-24	10	25	9
आईपीपीबी में एमडी व सीईओ	2023-24	1	18	1

*बैंक ऑफ महाराष्ट्र में एमडी और सीईओ की एक अनापेक्षित रिक्ति हुई और इसके लिए वित्तीय वर्ष 2023-24 हेतु सरकारी क्षेत्र के छोटे बैंकों में एमडी व सीईओ के पद हेतु बनाए गए पैनल में से संस्तुति की गई (ये संस्तुति 16 मार्च 2023 को बनाए गए पैनल में से की गई थी) ।

कौशल संवर्धन और सशक्तीकरण

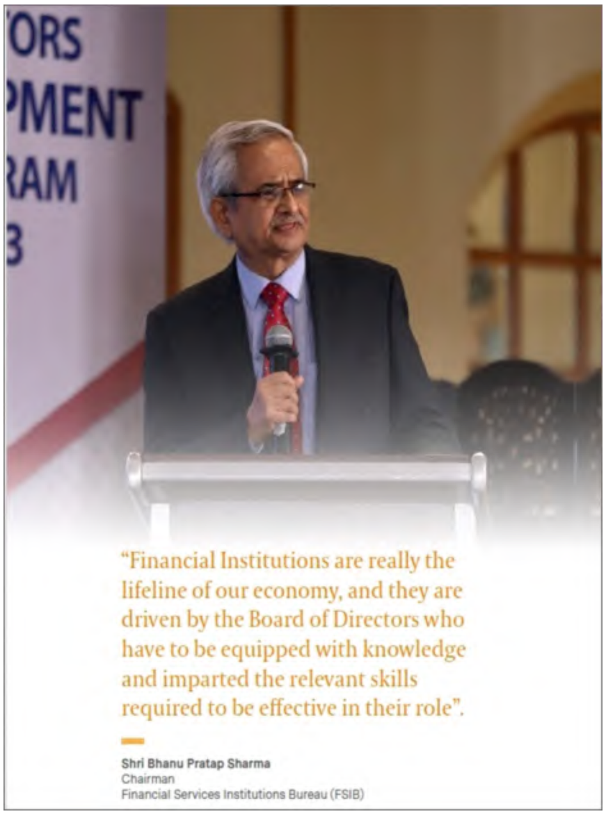

निदेशकों हेतु परिवर्धन कार्यक्रम

सरकारी क्षेत्र के बैंकों/ वित्तीय संस्थानों/ सरकारी क्षेत्र की बीमा कंपनियों के बोर्डों को सशक्त बनाने और इनकी क्षमता बढ़ाने के महत्त्व को स्वीकार करते हुए वित्तीय सेवा संस्था ब्यूरो ने आईबीए और अन्य हितधारकों के सहयोग से निदेशकों हेतु परिवर्धन कार्यक्रम (डीडीपी) को आरंभ किया।

हार्वर्ड बिजनेस पब्लिशिंग के साझेदार मैसर्स इगॉन ज़ेहेन्डर प्रा. लि. द्वारा दिया गया यह समेकित कार्यक्रम भारत में सरकारी क्षेत्र के बैंकों, बीमा कम्पनियों और वित्तीय संस्थानों के निदेशकों के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है।

इस कार्यक्रम का मूल तत्त्व ब्यूरो को दिया गया वह अधिदेश है जो सरकारी क्षेत्र के बैंकों / वित्तीय संस्थानों / सरकारी क्षेत्र की बीमा कंपनियों हेतु समुचित प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार करने के लिए दिया गया है।

नौ माह के इस कार्यक्रम में अनुशीलनकर्ता का दृष्टिकोण रखा गया है जिसमें वेबिनारों, आमने-सामने परिचर्चा सत्रों और स्वतः प्रगत ऑनलाइन मॉड्यूलों और सुसाधित प्रकरण अध्ययनों को शामिल किया गया है। यह कार्यक्रम कॉरपोरेट लीडरों और उद्योग विशेषज्ञों के साथ साक्षात्कार का अवसर भी प्रदान करता है जिससे प्रासंगिक मामलों के बारे में गहरी जागरुकता पैदा होती है।

डीडीपी का सम्यकतापूर्ण दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करता है कि इस कार्यक्रम को पूरा करने के बाद निदेशक पूरी तरह से अपने संगठन को विकसित हो रहे कारोबारी परिदृश्य के अनुरूप बनाने और नए अवसरों को भुनाने के लिए तैयार हो जाएं, और इस प्रकार वे प्रबंधन तंत्र और विभिन्न हितधारकों के लिए ज्ञान और मार्गदर्शन के एक स्रोत का काम कर सकें।

डीपी के द्वितीय बैच का परिसमापन

सरकारी क्षेत्र के बैंकों, बीमा कम्पनियों और वित्तीय संस्थानों के निदेशकों के परिवर्धन हेतु कार्यक्रम का द्वितीय बैच सितम्बर 2023 में सफलतापूर्वक पूरा हुआ। दीक्षांत अधिभाषण आईसीआईसीआई बैंक के भूतपूर्व एमडी व सीईओ और न्यू डेवलपमेन्ट बैंक ऑफ ब्रिक्स के भूतपूर्व अध्यक्ष श्री के. वी. कामथ द्वारा दिया गया।

डीडीपी के इस द्वितीय बैच में 12 सरकारी क्षेत्र के बैंकों, ५ वित्तीय संस्थानों और ३ सार्वजनिक क्षेत्र के बीमाकर्ताओं से कुल 66 निदेशक शामिल हुए। सहभागियों ने इस कार्यक्रम की प्रशंसा की, खासकर विषयों का संपूर्ण कवरेज, वक्ताओं की गुणवत्ता और कार्यक्रम की समग्र संरचना का उल्लेख करते हुए।

Institution-wise participation in Batch-II of DDP

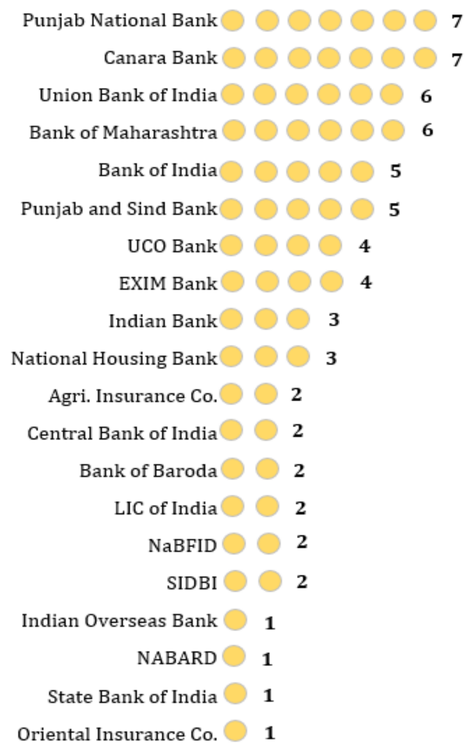

डीडीपी – के कुछ दृश्य – 2023

लीडरशिप परिवर्धन कार्यक्रम

लीडरशिप परिवर्धन कार्यक्रम (एलडीपी) वित्तीय सेवा संस्था ब्यूरो और आईबीए का प्रमुख कार्यक्रम है और यह एक बाहरी ज्ञान साझेदार द्वारा प्रदान किया जाता है। एलडीपी का लक्ष्य है कि सरकारी क्षेत्र के बैंकों और वित्तीय संस्थानों के स्व: प्रेरित भावी लीडरों को तैयार करने में मदद करे, जिनमें ऐसी क्षमता हो जो ग्राहक संकेन्द्रित संगठन का सृजन करने में अत्यधिक समन्वयकारी टीमें तैयार कर सकें।

एलडीपी अपने विजन को इस ब्यूरो को दिए गए अधिदेशों में से एक से ग्रहण करता है – 'सरकारी क्षेत्र के बैंकों, वित्तीय संस्थानों और सरकारी क्षेत्र की बीमा कंपनियों के प्रबंधन तंत्र के कार्मिकों हेतु समुचित प्रशिक्षण और संवर्धन कार्यक्रम तैयार करने के लिए सरकार को सलाह प्रदान करना।'

सन 2019-2022 के दौरान प्रथम तीन बैचों को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद "आरोहण 2023" की प्रस्तुति नए ज्ञान साझेदार मैसर्स मैकिन्से द्वारा की गई। आरोहण 2023 की शुरुआत 12 अप्रैल 2023 को की गई थी और 5 दिसम्बर 2023 को दीक्षांत समारोह के साथ इसका समापन हुआ।

एलडीपी के चतुर्थ बैच का उद्घाटन : आरोहण 2023

आरोहण 2023 का शुभारंभ 12 अप्रैल 2023 को आभासी प्रमोचन समारोह के माध्यम से मुख्य अतिथि श्री आदिल ज़ैनुलभाई, चेयरमैन, क्षमता निर्माण आयोग, भारत सरकार द्वारा किया गया।

एलडीपी के इस चतुर्थ बैच में 11 राष्ट्रीयकृत बैंकों और 4 वित्तीय संस्थानों के कुल मिलाकर 79 मुख्य महाप्रबंधक, महाप्रबंधक और उप महाप्रबंधक शामिल हुए।

श्री आदिल ज़ैनुलभाई – आरोहण 2023 का शुभारंभ करते हुए

आरोहण 2023 के विवरण

इस कार्यक्रम के प्रमुख मॉड्यूलों में प्रयोगात्मक फोरम, अंतर्निहित मनोवृत्तियों का अनावरण करने के लिए एकैक कोचिंग सत्र, नवीनतम अध्ययन और उद्योग की प्रवृत्तियों को सामने लाने के लिए ज्ञान अंशों को शामिल किया गया। इस कार्यक्रम में किसी भी समय, कहीं पर भी अध्ययन सुविधा प्रदान करने के लिए ऑनलाइन लर्निंग मॉड्यूल भी शामिल किए गए। तीन अनुभवात्मक फोरमों में नेतृत्व कौशल, प्रयोजनमूलक ज्ञान और आध्यात्मिक तल्लीनता के सत्रों को समाहित किया गया।

फोरम – 2 का आयोजन एल्पाइन यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रिया में अगस्त 2023 में किया गया था, जिसमें हितधारकों के नेटवर्क प्रबंधन की कला और लीडर के रूप में विश्वसनीयता, स्वीकार्यता और स्पष्टता के निर्माण का वर्णन किया गया।

क्त्जिबुहेल, ऑस्ट्रिया में आरोहण 2023 का बैच

आरोहण 2023 में बिज़नेस प्रोजेक्ट

बिज़नेस प्रोजेक्ट इस कार्यक्रम का अभिन्न हिस्सा हैं, जो अनुभवात्मक फोरमों से प्राप्त शिक्षा को जीवन में वास्तविक स्थितियों में प्रयुक्त करने का अवसर देते हैं।

प्रतिभागियों को बिज़नेस प्रोजेक्ट रिव्यू कमेटी द्वारा प्रदत्त मार्गदर्शन से अत्यधिक लाभ मिला, इस कमेटी में श्री सुनील मेहता (मुख्य कार्यपालक, आईबीए), श्री ओम प्रकाश भट (भूतपूर्व अध्यक्ष, भारतीय स्टेट बैंक); श्री आनंद सिन्हा (भूतपूर्व उप गवर्नर, भारतीय रिज़र्व बैंक); श्री अरविन्द शंकरन (डिजिटल फ़ाइनेंस विशेषज्ञ); और श्री फरीदुन दोतीवाला (पाटर्नर, मैकिन्से) शामिल थे।

आरोहण 2023 का दीक्षांत

एलडीपी (आरोहण 2023) के चौथे बैच के समापन पर 5 दिसम्बर 2023 को दीक्षांत समारोह का अयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में श्री भानु प्रताप शर्मा (अध्यक्ष, एफएसआईबी) मौजूद थे।

आरोहण 2024 का शुभारंभ

आरोहण 2023 का सफलतापूर्वक समापन होने के बाद एलडीपी के पांचवे बैच "आरोहण 2024" का शुभारंभ 22 फरवरी 2024 को हुआ। आरोहण 2024 में 11 राष्ट्रीयकृत बैंकों और 5 वित्तीय संस्थानों के मुख्य महाप्रबंधकों, महाप्रबंधकों और उप महाप्रबंधकों के 80 सहभागियों का समूह शामिल हुआ। सिडबी पहली बार एलडीपी में भाग ले रहा है।

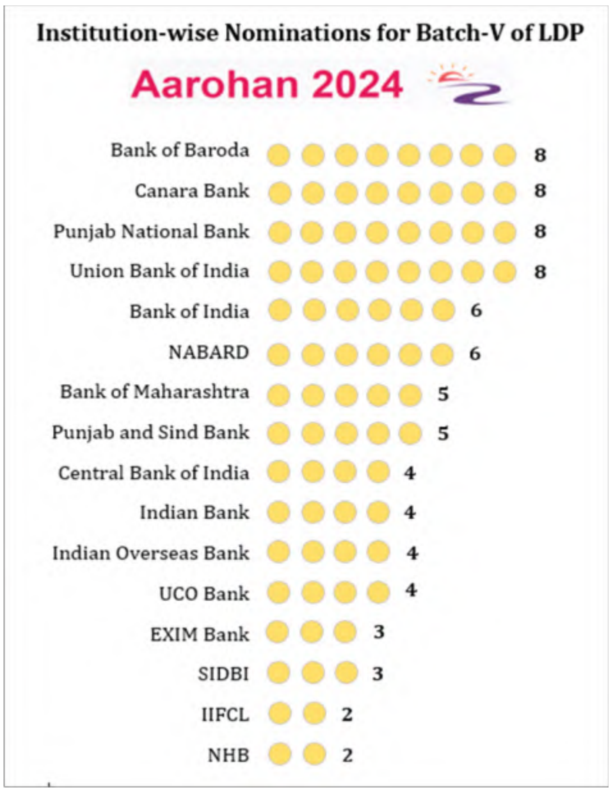

डाटाबेस, आईटी सिस्टम और प्रशासन

इस ब्यूरो के कार्यालय द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी सक्षम बहुत से उपायों का सहारा लिया जाता है जो साइबर सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए परिचालनों में दक्षता को इष्टतम बनाकर इसके कार्यचालन को पूरा करने में सुविधा देते हैं। विद्यमान सुविधाओं और अवसंरचना के बारे में संक्षिप्त जानकारी निम्नानुसार है –

(क) सर्वे मन्की

इस ब्यूरो द्वारा निष्पादित विभिन्न क्रियाकलापों जैसे कि पूर्णकालिक निदेशकों की नियुक्ति करने में सुविधा हेतु अभ्यर्थियों से मिली जानकारी / प्रलेखों का संग्रह करने और इनका विश्लेषण करने की अपेक्षा होती है। इसके अलावा अभ्यर्थियों की समेकित योग्यता का आकलन करने के एक भाग के तौर पर इस ब्यूरो द्वारा 360 डिग्री फीडबैक सर्वेक्षण किया जाता है और विभिन्न हितधारकों से प्राप्त प्रतिसाद का संग्रहण और संकलन किया जाता है। इसलिए इस प्रक्रिया के कुशल संचालन के लिए ब्यूरो अपने सर्वेक्षणों के सृजन, प्रेषण और विश्लेषण के लिए सर्वे मन्की टूल का उपयोग करता है।

(ख) गूगल वर्कस्पेस

ब्यूरो fsib.org.in डोमेन पर कस्टम ईमेल के साथ गूगल वर्कस्पेस का प्रयोग करता है और इसमें जीमेल, कैलेन्डर, ड्राइव, डॉक्स, शीट, इत्यादि जैसे संचयन टूल्स भी शामिल हैं। ब्यूरो अपने आधिकारिक संभाषण में गूगल वर्कस्पेस के नौ लाइसेन्सों का उपयोग करता है।

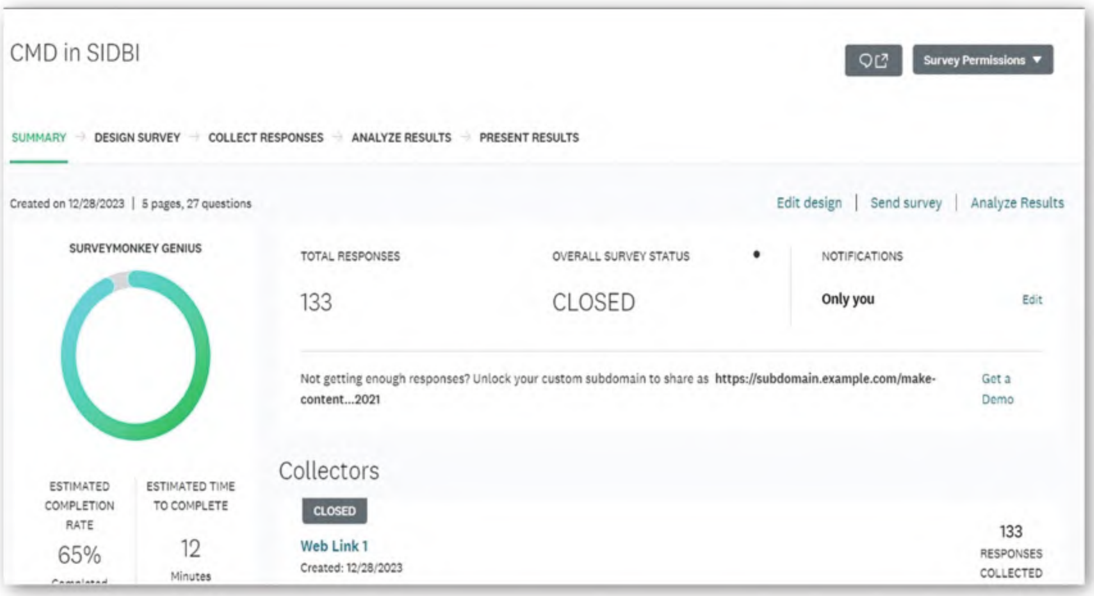

आकृति 3 : सर्वे मन्की – नियुक्ति आवेदनों और 360 फीडबैक प्राप्त करने का एक टूल

(ग) वीडियो सम्मेलन सुविधा

विभिन्न पदों के लिए आने वाले अभ्यर्थियों के साथ ब्यूरो अपने साक्षात्कारों का आयोजन या तो भौतिक रूप में करता है या फिर ऑनलाइन साक्षात्कार करता है। ऑनलाइन साक्षात्कारों को निर्धारित पद्धति के अनुसार वीसी सुविधा के माध्यम से आयोजित किया जाता है। इस प्रयोजन के लिए ब्यूरो ने सिसको वेबएक्स हेतु प्रयोक्ता लाइसेन्स लिया है जिससे बैठकों और साक्षात्कारों के लिए ऑनलाइन मोड में सहायता मिलती है।

(घ) बोर्डों के गठन के बारे में डाटाबेस

सरकारी क्षेत्र के बैंकों, सरकारी क्षेत्र के बीमाकर्ताओं और वित्तीय संस्थानों के बारे में ब्यूरो ऑनलाइन डाटाबेस का रखरखाव करता है। यह एक वेब एप्लीकेशन है जो कॉन्टेन्ट मैनेजमेन्ट सिस्टम (सीएमएस) के साथ पूरी तरह से एकीकृत है। यह वेब एप्लीकेशन साइट सुकुरी की सहायता से सुरक्षित की गई है, जिसमें चौबीसों घन्टे साइट की सुरक्षा की जाती है, निगरानी की जाती है और बैकअप लिया जाता है। सीएमएस एक निरापद इन्टरफेस के माध्यम से ब्यूरो को डाटाबेस का रखरखाव करने में सक्षम बनाता है। यह डाटाबेस ब्यूरो की वेबसाइट के साथ एकीकृत है और इसमें प्रयोक्ता रिक्त पदों के अलावा पदधारी तथा सेवानिवृत्त बोर्ड सदस्यों, उनके कार्यकाल आदि की स्थितियों के बारे में रिपोर्ट तैयार कर सकता है। परिशुद्धता सुनिश्चित करने के लिए इसके सचिवालय द्वारा नियमित रूप से डाटा को अद्यतन किया जाता है।

WHATS NEW | COMPOSITION OF BOARDS | TRAININGS & HR DEVELOPMENT | VACANCIES & RECOMMENDATIONS | NOTIFICATIONS

Export

Show 50 entries Search:

Name	Designation	Institution	Date of Birth	Tenure From	Tenure Upto / Vacancy Since	Status
K. SATYANARAYANA RAJU	MD & CEO	Canara Bank	28/12/1965	07/02/2023	31/12/2025	Incumbent
DEBASHISH MUKHERJEE	Executive Director	Canara Bank	09/05/1965	19/02/2018	31/05/2025	Incumbent
KARUNAKARA SHETTY	Shareholder Director	Canara Bank	01/03/1969	30/11/2021	29/11/2024	Incumbent
ABHA SINGH YADUVANSHI	Shareholder Director	Canara Bank	09/02/1962	27/07/2022	26/07/2025	Incumbent
BIMAL PRASAD SHARMA	Shareholder Director	Canara Bank	01/08/1956	27/07/2019	26/07/2025	Incumbent
NALINI PADMANABHAN	Non official Director	Canara Bank	20/07/1964	21/12/2021	20/12/2024	Incumbent

आकृति 4 : बोर्डों के गठन के बारे में अद्यतन डाटाबेस का उल्लेख करते हुए एक स्क्रीनशॉट - ब्यूरो की वेबसाइट पर यथा प्रकाशित

(ङ) समेकन – ऑनलाइन एचआर डाटाबेस

समेकन का आशय है प्रबंधन और कर्मचारी सेवा एवं ज्ञान विषयक डाटा संकलन और विश्लेषण प्रणाली। सरकारी क्षेत्र के बैंकों और निर्दिष्ट वित्तीय संस्थानों के सभी वरिष्ठ अधिकारियों की समेकित प्रोफाइल एक ही स्थल पर उपलब्ध कराने की परिकल्पना इस एप्लीकेशन में की गई है। इसमें मानव संसाधन के विभिन्न मैट्रिक्स जैसे कि जेन्डर अनुपात, क्रेडिट, आईटी आदि विशिष्ट क्षेत्रों में विशेषज्ञता आदि के बारे में बेन्चमार्क और विश्लेषणात्मक रिपोर्टें भी ली जा सकती हैं। इस एप्लीकेशन में सरकारी क्षेत्र के बैंकों और वित्तीय संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारियों के शैक्षणिक विवरण और कैरियर के विवरण भी होस्ट किए जाते हैं।

(च) ब्यूरो की वेबसाइट

ब्यूरो की वेबसाइट क्लाउड आधारित वेबसाइट डिजाइन, होस्टिंग और सुरक्षा विशेषताओं से युक्त नवीनतम प्रौद्योगिकी पर अधारित है। यह पूरी तरह से वर्डप्रेस पर आधारित कॉन्टेन्ट मैनेजमेन्ट सिस्टम के साथ एकीकृत है, जिसकी सहायता से इसको सचिवालय किसी भी बाहरी वेन्डर पर निर्भर रहे बिना तेजी से अपडेट कर सकता है। यह वेबसाइट ऑनलाइन आवेदन स्वीकार करने के लिए सर्वे-मन्की के साथ, फीड प्रदर्शन हेतु ट्विटर हैन्डल (@FSI_Bureau) के साथ और बोर्डों के गठन के लिए एमवाईएसक्यूएल डाटाबेस के साथ भी एककीकृत है, और साथ ही फायरवॉल और गूगल एनालिटिक्स, आदि का भी समावेश है।

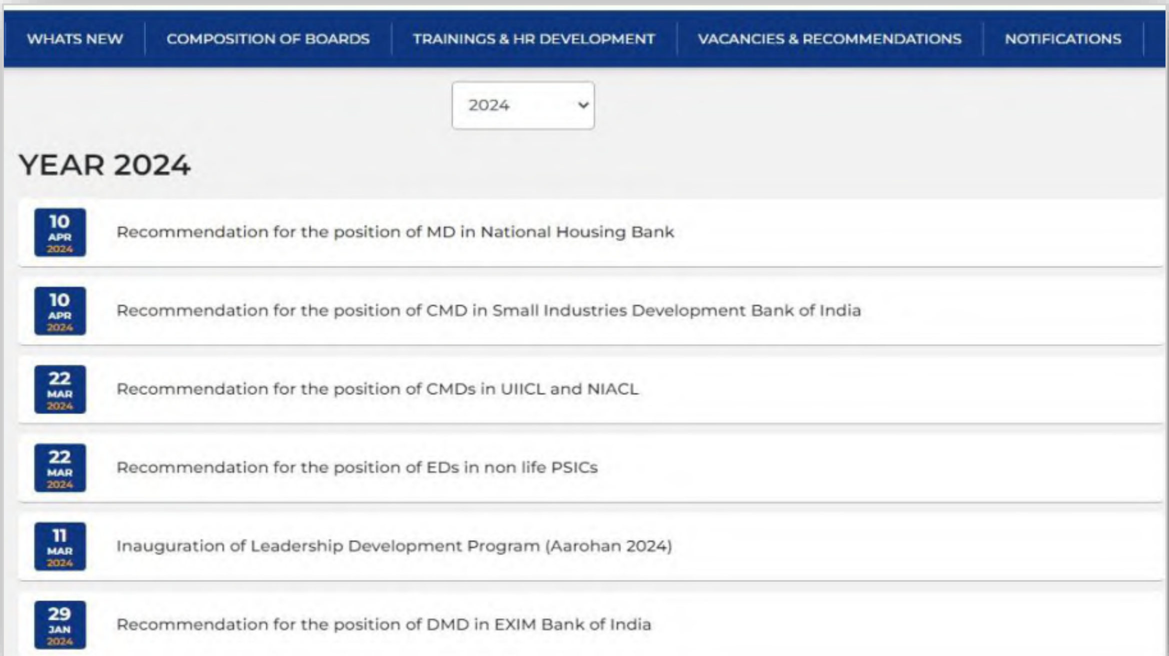

आकृति 4 : एफएसआईबी की आधिकारिक वेबसाइट के "Whats New' Section की एक झलक

(छ) आधिकारिक ट्विटर हैन्डल

लोगों तक बेहतर पहुंच और जानकारी के व्यापक प्रसार के लिए सभी अहम सूचनाओं, निविदा नोटिस, आवेदनों, संस्तुतियों आदि को (@ FSI_Bureau) ट्विटर हैन्डल पर भी प्रकाशित किया जाता है।

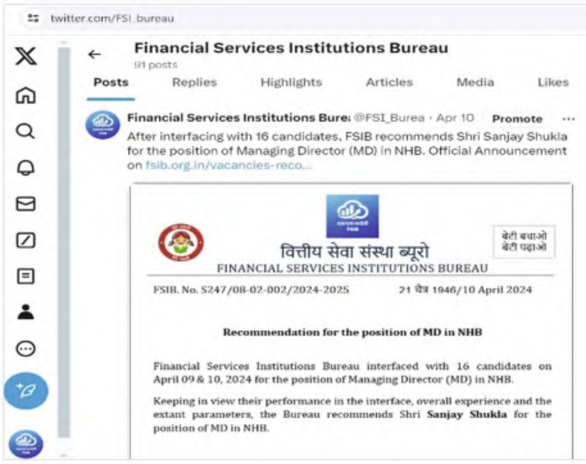

(ज) ई-निविदा पोर्टल

केन्द्रीय सतर्कता आयोग की अपेक्षाओं के अनुपालन में ब्यूरो को मैसर्स एमएसटीसी लि. की ई-प्रोक्येरमेन्ट पोर्टल पर ऑनबोर्ड किया गया है। यह पोर्टल पूर्णतया सुरक्षित ऑनलाइन ई-निविदा प्रणाली प्रदान करता है। विभिन्न सेवाओं के अधिक्रय हेतु निविदाओं और कोटेशनों को इसी पोर्टल के माध्यम से प्रचारित किया जाता है। इस प्रयोजन के लिए इस ब्यूरो के सचिवालय ने ई-मुद्रा से पांच डिजिटल प्रमाणपत्रों का अधिक्रय किया है।

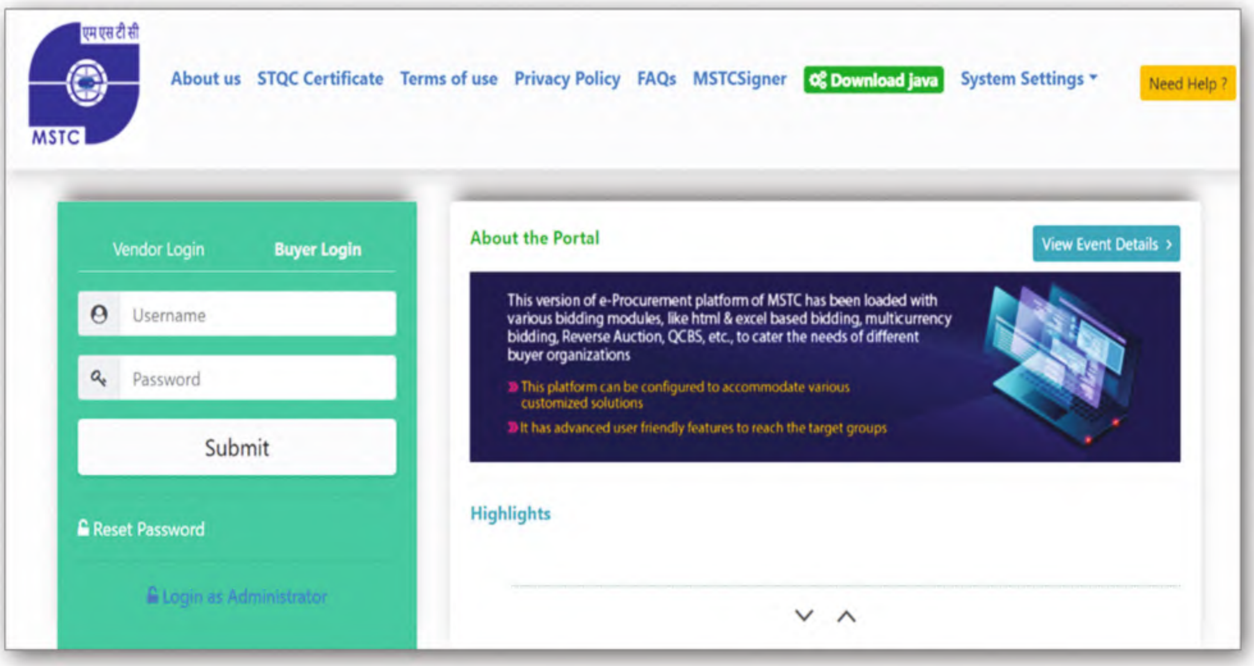

आकृति 5 : ई – निविदा पोर्टल – मैसर्स एमएसटीसी लि. का प्रयोग एफएसआईबी द्वारा ई – निवदाओं के लिए प्रयुक्त

(ज) सूचना का अधिकार

वित्तीय सेवा संस्था ब्यूरो एक लोक प्राधिकरण है जैसा कि सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 में परिभाषित है। वर्ष के दौरान इस ब्यूरो द्वारा प्राप्त किये गये आरटीआई आवेदनों और अपीलों का सारांश निम्नानुसार है –

वर्ष	आवेदन	अपील
2017-18	19	1
2018-19	7	1
2019-20	2	0
2020-21	12	4
2021-22	44	7
2022-23	51	3
2023-24	88	7

वर्ष के दौरान इस ब्यूरो को आरटीआई के 88 आवेदन और 7 प्रथम अपीलें प्राप्त हुईं। आवेदकों से 83 आवेदन सीधे ही प्राप्त हुए, जबकि पांच आवेदन अन्य लोक प्राधिकरणों द्वारा हस्तांतरित किए गए। इन 88 आवेदनों में से 41 का हस्तांतरण अन्य लोक प्राधिकरणों को किया गया, चार आवेदन आवेदकों को लौटा दिए गए क्योंकि मांगी गई जानकारी का संबध राज्य सरकारों से था और 43 आवेदनों और 7 प्रथम अपीलों को निर्धारित समय के भीतर निपटाया गया।

लोक प्राधिकरणों द्वारा आरटीआई अधिनियम की धारा 4 के तहत प्रकटीकरण की पारदर्शिता संपरीक्षा वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए कृषि बैंकिंग महाविद्यालय, भारतीय रिज़र्व बैंक, पुणे द्वारा की गई। तृतीय पक्ष द्वारा की गई संपरीक्षा रिपोर्ट को ब्यूरो की वेबसाइट पर प्रकाशित किया जा चुका है। संपरीक्षा रिपोर्ट संबन्धित सीआईसी परामर्श के आधार पर इस ब्यूरो ने आरटीआई अधिनियम की धारा 4 के स्वतः प्रेरणा प्रकटीकरण को आरटीआई आवेदकों की सहायता हेतु अपनी वेबसाइट पर प्रकाशित किया है।

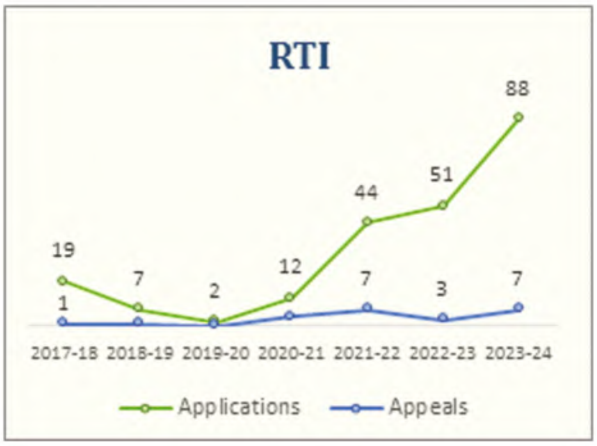

******

प्राप्तियों और भुगतानों का लेखा

प्राप्तियां

इस ब्यूरो की प्राप्तियां वह धनराशियां हैं, जो उन सरकारी क्षेत्र के बैंकों, सरकारी क्षेत्र की बीमा कंपनियों और वित्तीय संस्थानों, जो वर्तमान में इस ब्यूरो के कार्यक्षेत्र में हैं, से मिलती हैं। ब्यूरो द्वारा किए गए व्ययों (किये जा चुके और प्रत्याशित) को संस्थान के वर्ग- अनुसार अर्थात सरकारी क्षेत्र के बैंकों, सरकारी क्षेत्र की बीमा कंपनियों और सरकारी क्षेत्र की वित्तीय संस्थाओं के बीच उनकी अपनी-अपनी रिक्तियों के लिए दी गई सेवा के समानुपात में विभाजित कर दिया जाता है। विद्यमान निदेशों के अनुसार सरकारी क्षेत्र के बैंकों के लिए भारतीय स्टेट बैंक, बीमा कंपनियों के लिए भारतीय जीवन बीमा निगम और वित्तीय संस्थानों के लिए नाबार्ड नोडल संस्थान हैं।

इस ब्यूरो की प्राप्तियों और भुगतानों का लेनदेन भारतीय रिज़र्व बैंक में चल रहे खाते के माध्यम से किया जाता है। नोडल संस्थानों से प्रत्याशित योगदान वित्तीय वर्ष के आरंभ में प्राप्त हो गए थे। लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों के आधार पर अधिशेष निधियों को संबंधित नोडल संस्थानों को वापस कर दिया जाता है।

भुगतान

प्रमुख भुगतान एफएसआईबी के लिए मुंबई में भवन किराए पर लेने के लिए और कार्मिकों पर आने वाली लागतों से संबंधित हैं। ये भुगतान ब्यूरो के लिए आवर्ती व्यय हैं। इसके अलावा अभ्यर्थियों के समाकलन और इतिवृत्त के सत्यापन हेतु बाहरी एचआर एजेन्सी की नियुक्ति पर व्यय किए जाते हैं। इस ब्यूरो की अपनी स्थायी आस्तियां नहीं हैं क्योंकि अधिकांश फिक्सचर, फर्नीचर और कंप्यूटर हार्डवेयर आदि भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा दिये गये हैं। हार्डवेयर की गौण वस्तुओं को राजस्व व्यय के रूप में मान लिया गया है।

लेखांकन प्रणाली

स्वशासी निकाय के रूप में इस ब्यूरो की अपनी लेखा प्रणाली है। ब्यूरो लेखांकन अवधि की अवधारणा को अपनाता है और अपनी प्राप्तियों और भुगतानों को संचयी आधार पर श्रेणीबद्ध करता है। समस्त प्रक्रिया के मानकीकरण हेतु ब्यूरो ने टैली 9 एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर का लाइसेन्स लिया है। इस प्रकार लेखांकन, त्रुटिशोधन, लेखापरीक्षण और अंतिम लेखों को तैयार करने की समस्त प्रक्रिया को टैली 9 पर किया जाता है।

31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष हेतु प्राप्तियों और भुगतानों का विवरण

व्यय

विवरण	धनराशि	31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष
विज्ञापन प्रभार		63,49,182	82,19,089
बोर्डिंग और लॉजिंग		2,56,060	73,160
विधिक व्यय			-
बाहरी एचआर एजेंसी की लागत		82,33,886	84,65,520
लीडरशिप परिवर्धन			2,40,000
लीज संबंधी व्यय			63,90,000
विविध लागतें		2,88,084	2,24,077
कार्मिक लागत		2,45,70,173	2,03,79,966
मुद्रण, डाक, लेखन सामग्री और उपभोग्य		3,01,132	3,87,075
सदस्यों को सिटिंग प्रभार			
पीएसआईसी विशेषज्ञ सदस्य	4,00,000		12,00,000
एफआई विशेषज्ञ सदस्य	8,00,000		12,00,000
पीएसबी विशेषज्ञ सदस्य	23,00,000		17,00,000
		35,00,000	41,00,000
सॉफ्टवेयर और वेबसाइट लागत		17,88,412	13,38,055
यात्रा और वाहन भत्ता		5,27,115	5,67,161
लेखापरीक्षा लागत		1,18,000	1,18,000
31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष हेतु प्राप्तियों की तुलना में हुए व्यय में प्राप्तियों का अधिशेष		2,27,73,956	1,20,05,722
वास्तविक व्यय के आधार पर निम्नलिखित संस्थानों को अनुपात में देय रकम			
नाबार्ड	86,13,566		
एलआईसी	92,56,490		
एसबीआई	49,03,900		
	2,27,73,956		
कुल		**6,87,06,000.00**	**6,25,07,825.00**

प्राप्तियां

विवरण	धनराशि	31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष
संस्थानों को देय पिछले वर्ष से (2022-23) नीचे दिये अनुसार			
नाबार्ड	61,35,644		
एलआईसी	44,15,406		
एसबीआई	14,54,672		
	1,20,05,722		
प्राप्त हुई प्रतिपूर्तियां (प्रत्याशित रिक्तियों पर आधारित अनुपात)			
नाबार्ड	1,42,15,034		1,28,69,258
एलआईसी	2,60,60,897		2,57,38,516
एसबीआई	2,84,30,069		2,39,00,051
		6,87,06,000	6,25,07,825
कुल		**6,87,06,000.00**	**6,25,07,825.00**

स्वतंत्र लेखापरीक्षक की रिपोर्ट

DMKH & CO.
CHARTERED ACCOUNTANTS

सचिव
वित्तीय सेवा संस्थान ब्यूरो

अभिमत

1.हमने 31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए मैसर्स वित्तीय सेवा संस्था ब्यूरो (एफएसआइबी) की प्राप्तियों और भुगतानों (विवरण) के विवरण की लेखा परीक्षा की है। इस विवरण को वित्तीय सेवा संस्था ब्यूरो के प्रबंधन वर्ग द्वारा तैयार किया गया ताकि वित्तीय सेवा संस्था ब्यूरो द्वारा किए गए भुगतानों और तदनुरूपी प्राप्तियों की सत्य और उचित प्रस्तुति की जा सके।

2. हमारे अभिमत से 31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष हेतु वित्तीय सेवा संस्था ब्यूरो की प्राप्तियों और भुगतानों के बारे में यह विवरण सत्य और उचित प्रस्तुति करता है।

अभिमत हेतु आधार

3. हमने अपनी लेखा परीक्षा को आइसीएआई द्वारा जारी लेखा परीक्षा मानकों के आधार पर संचालित किया। इन मानकों के तहत हमारे दायित्वों का उल्लेख हमारी रिपोर्ट के विवरण खंड के लेखा परीक्षा हेतु लेखा परीक्षक के दायित्वों में किया गया है। आइसीएआइ द्वारा जारी नैतिकता संहिता का अनुसरण करते हुए हम वित्तीय सेवा संस्था ब्यूरो से स्वतंत्र हैं और हमने इस नैतिकता संहिता के अनुसार अपने अन्य नैतिक दायित्वों को भी पूरा किया है। हमारा विश्वास है कि लेखा परीक्षा के जो भी साक्ष्य हमने प्राप्त किए वे हमारे अभिमत हेतु पर्याप्त और समुचित आधार प्रदान करते हैं।

विवरण हेतु प्रबंधन का दायित्व

4. वित्तीय सेवा संस्था ब्यूरो के भुगतानों और उनके समानुरूप प्राप्तियों का सत्य और उचित प्रकटीकरण करने के लिए इस विवरण को तैयार करने और उचित प्रस्तुति का दायित्व वित्तीय सेवा संस्था ब्यूरो के प्रबंधनतंत्र का है। इस दायित्व में पर्याप्त अभिलेखों के रखरखाव और विवरण को तैयार करने और उचित प्रस्तुति हेतु सुसंबद्ध आंतरिक नियंत्रणों के डिजाइन, कार्यान्वयन और अनुरक्षण शामिल हैं, जिससे यह विवरणी धोखाधड़ी अथवा त्रुटियों के कारण हो सकने वाले किसी भी तात्विक अपविवरण से मुक्त है।

विवरण की लेखा परीक्षा हेतु लेखा परीक्षक का दायित्व

5. हमारा उद्देश्य है कि इस बारे में समुचित भरोसा प्राप्त करें कि समग्र रूप से यह विवरण सभी प्रकार के वास्तविक अपविवरणों से मुक्त है, चाहे यह धोखाधड़ी के कारण हो या त्रुटि के कारण, और फिर लेखा परीक्षक की रिपोर्ट जारी करें जिसमें हमारा अभिमत शामिल हो। पर्याप्त सुनिश्चितता एक प्रकार से उच्च स्तरीय सुनिश्चितता होती है, लेकिन यह कोई गारंटी नहीं है कि लेखा परीक्षा के मानकों के अनुसार की गई लेखा परीक्षा में यदि कोई वास्तविक अपविवरण हुआ है तो हमेशा ही वह वास्तविक अपविवरण पकड़ में आएगा। किसी भी धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण अपविवरण हो सकते हैं, और इन्हें वास्तविक माना जाता है, यदि अलग-अलग अथवा सम्यक तौर पर इस विवरण के आधार पर प्रयोगकर्ता के आर्थिक निर्णयों पर पर्याप्त रूप से इनका प्रभाव पड़ना प्रत्याशित हो।

803-804, Ashok Heights, NICCO Circle, Near Bhuta School, Old Nagardas Lane, Gundavali, Andheri (East), Mumbai - 400 069.
Tel : 022-26824800 / 4900 | Email : contact@dmkhca.in | www.dmkhca.in
Head Office.: Mumbai, Branch Office.: Pune | Ahmedabad | Gandhinagar | Surat | Vadodara | Ballari | Delhi | Udaipur

6. लेखा परीक्षा मानकों के अनुसार लेखा परीक्षा के एक भाग के तौर पर हम पूरी लेखा परीक्षा के दौरान व्यावसायिक निर्णय लेते हैं और व्यावसायिक संशयवाद बरकरार रहता है। हम वक्तव्य में वास्तविक अपविवरण के जोखिम को भी अभिनिर्धारित करते हैं और उसका आकलन करते हैं, चाहे वह धोखाधड़ी के कारण अथवा त्रुटि के कारण हो, इन जोखिमों के अनुरूप लेखा परीक्षा का प्रतिसादात्मक डिजाइन और निष्पादन करते हैं, और अपने अभिमत के आधार स्वरूप पर्याप्त और समुचित लेखा परीक्षा साक्ष्य प्राप्त करते हैं। धोखाधड़ी से पैदा होने वाले वास्तविक अपविवरण को नहीं पकड़ पाने का जोखिम त्रुटियों के कारण होने वाले अपविवरण से अधिक होता है, क्योंकि धोखाधड़ी में मिलीभगत, जालसाजी, जानबूझकर चूक, अपप्रस्तुति अथवा आंतरिक नियंत्रणों को ओवरराइड करना निहित होता है।

7. इस लेखा परीक्षा हेतु प्रासंगिक आंतरिक नियंत्रणों की समझ प्राप्त की ताकि परिस्थितियों के अनुसार समुचित लेखा परीक्षा पद्धति डिजाइन की जा सके।

8. संलग्न विवरणों के वितरण अथवा उपयोग पर प्रतिबंध – इसके साथ दिया जा रहा विवरण केवल वित्तीय सेवा संस्था ब्यूरो की जानकारी के लिए ही तैयार किया गया है और इसलिए यह किसी अन्य प्रयोजन के लिए उचित नहीं हो सकेगा। यह रिपोर्ट केवल उपरोल्लिखित प्रयोजन से जारी की गई है और तदनुसार बिना हमारी लिखित सहमति के इसका किसी अन्य प्रयोजन या किसी अन्य पार्टी को इसका संदर्भ अथवा विवरण नहीं दिया जाएगा। इसके अलावा बिना हमारी लिखित सहमति के यदि किसी अन्य को यह रिपोर्ट दिखाई जाती है या उसके हाथ पड़ जाती है तो किसी अन्य प्रयोजन या अन्य व्यक्ति की वजह से हम किसी दायित्व को स्वीकार अथवा अंगीकार नहीं करेंगे।

कृते डीएमकेएच एन्ड कं.
सनदी लेखाकार

सीए. मालविका लोकेश्वर
साझेदार
यूडीआइएन : 2410862बीकेसीआरपीएन8120
स्थान : मुंबई
दिनांक : 29-04-2024

803-804, Ashok Heights, NICCO Circle, Near Bhuta School, Old Nagardas Lane, Gundavali, Andheri (East), Mumbai - 400 069.
Tel : 022-26824800 / 4900 | Email : contact@dmkhca.in | www.dmkhca.in
Head Office.: Mumbai, Branch Office.: Pune | Ahmedabad | Gandhinagar | Surat | Vadodara | Ballari | Delhi | Udaipur